हमें बापू के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा करना चाहिए: पीएम मोदी

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 89 दिनांक: 12-03-2022 शनिवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएम तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र में कहा हमें पूरी उम्मीद है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रही सीधी बातचीत से तनाव की स्थिति समाप्त हो जाएगी।

हमें बापू के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा करना चाहिए: पीएम मोदी

नई दिल्ली/अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अहमदाबाद में गुजरात पंचायत महासम्मेलन को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में राज्य भर से पंचायती राज प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात बापू और सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमि है। उन्होंने कहा कि, ''बापू हमेशा ग्रामीण विकास और आत्म-निर्भर गांवों की बात करते थे। आज जब हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं, हमें बापू के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा करना चाहिए।ठ प्रधानमंत्री ने महामारी के दौरान अनुशासित और बेहतर प्रबंधन के लिए गुजरात की पंचायतों और गांवों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में महिला पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या पुरुष प्रतिनिधियों की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि डेढ़ लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों के एक साथ विचार-विमर्श करने की इस सच्चाई से ज्यादा भारतीय लोकतंत्र की ताकत का प्रतीक कुछ नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री ने पंचायत सदस्यों को सलाह दी कि कैसे छोटी लेकिन बहुत ही बुनियादी पहल के साथ गांव का विकास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अपने स्कूल का जन्मदिन या स्थापना दिवस मनाने की सलाह दी। इसके माध्यम से उन्होंने स्कूल के परिसर और कक्षाओं को साफ करने और स्कूल के लिए अच्छी गतिविधियों को शुरू करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि देश अगस्त' 23 तक आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने इस अवधि के दौरान गांव में 75 प्रभात फेरी (सुबह का जुलूस) निकालने का सुझाव दिया।

उन्होंने इस दौरान 75 कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी, जिसमें पूरे गांव की जनता को एक साथ बैठे और मिलकर गांव के समग्र विकास के बारे में सोचे। एक और सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में गांवों में 75 पेड़ लगाकर एक छोटा जंगल बनाना चाहिए। प्रत्येक गांव में कम से कम 75 किसान ऐसे होने चाहिए जो प्राकृतिक तरीके से खेती करें। उन्होंने कहा कि धरती माता को खाद और रसायनों के जहर से मुक्ति दिलानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए 75 कृषि तालाब बनाए जाने चाहिए ताकि भूमिगत जल स्तर बढ़े और गर्मी के दिनों में लोगों को इससे मदद मिले।

भगवंत मान शनिवार को गवर्नर से मिले कर सरकार बनाने का दावा करेंगे पेश

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की धमाकेदार जीत के बाद भगवंत मान शनिवार को गवर्नर से मिलेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। इससे पहले उन्होंने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने चुने गए विधायकों संग बैठक की और दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान भगवंत मान ने कहा कि मेरी एक विनती है कि अहंकार मत करना, जिसने वोट नहीं दिया, उसका काम भी करना। आप पंजाबियों के विधायक हो, सरकार पंजाबियों ने बनाई है।

उन्होंने कहा कि आज मैं जब दिल्ली जा रहा था, रास्ते में हार पहनाते हुए एक आदमी ने कहा कि हमें किसी ने इज्जत ही नहीं दी, जिस पटवारी, पुलिसवाले को मर्जी हुई थप्पड़ मार दिया, चालान कर दिया। इस पर मैं बहुत स्ट्रिक्ट रहूंगा। हमें वहां जाकर काम करना है, जहां जाकर वोट मांगे हैं। जीतकर यह नहीं कहना कि चंडीगढ़ आओ, सरकार पिंडों (गांवों) से, वार्डों से चलेगी।

उन्होंने कहा कि कोई भेदभाव नहीं करना है। अरविंद केजरीवाल का भी यही मैसेज है। स्कूल, अस्पताल, बिजली, इंडस्ट्री, हमारे 17 मंत्री बनाए जा सकते हैं, बाकी 75 जिन्हें मंत्री नहीं बनाएं वो नाराज न हों, मंत्री का काम सबको करना है। आप सभी बड़े-बड़े चेहरे हारे हैं। आप बड़े-बड़े अंतर से जीत कर आए हो। सीएम अरविंद केजरीवाल ने यह लिखकर दिया था।

भगवंत मान ने कहा कि हमारे लिए दिल्ली की योजनाएं गाइड हो सकती हैं। हमें सीखना है। जहां से जरूरत पड़े, अच्छी चीजें सीखनी हैं। पब्लिक भी बहुत आइडिया देती है, उसे लागू करेंगे। हमें सरकार चलाकर दिखानी है बस।

यूक्रेन युद्ध के 15 दिन पूरे लेकिन कीव कब्जे से दूर, रूस ने बढ़ाई सैन्य तैनाती, पुतिन ने विदेशी लड़ाकों को बुलाने को दी मंजूरी

कीव, रायटर। रूस और यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध के शुक्रवार को 15 दिन पूरे हो गए और 16 वां दिन शुरू हो गया। इन 15 दिनों में रूसी सेना यूक्रेन की धरती पर तो काबिज हो गई है लेकिन राजधानी कीव समेत सभी अहम शहर उसके कब्जे से दूर हैं। यह स्थिति रूस की महाशक्ति के रूप में पहचान पर सवाल पैदा कर रही है। क्योंकि युद्ध से पहले अमेरिका ने भी मान लिया था कि रूस हमले के 48 घंटे के भीतर रूसी टैंक कीव की सड़कों पर होंगे। अब वही अमेरिका दावा कर रहा है कि रूस यूक्रेन को कभी नहीं जीत सकता। कई दिनों के छिटपुट हमलों के बाद शुक्रवार को पश्चिमी यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमले तेज हुए। ताजा सेटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि रूसी सेना ने कीव की उत्तरी दिशा में अपनी तैनाती बढ़ाई है। ब्रिटेन का अनुमान है कि रूसी सेना जल्द ही कीव पर बड़ा हमला बोल सकती है।

यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि पूर्वी यूक्रेन के ईजीयम कस्बे में स्थित मानसिक रोगियों के अस्पताल पर रूसी सेना ने शुक्रवार को गोलाबारी की। इस दौरान अस्पताल के 30 कर्मियों और 330 मरीजों ने भूमिगत कमरे में शरण लेकर जान बचाई। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इससे पहले रूसी वायुसेना पर मारीपोल के बच्चों के अस्पताल पर बमबारी का आरोप लगा था। उसमें तीन लोगों के मारे गए और 17 लोग घायल हुए थे। रूसी सेना का कहना है कि खाली पड़े इन अस्पताल भवनों में यूक्रेन के लड़ाके रह रहे हैं और वहां से निकलकर हमले भी कर रहे हैं। यूक्रेनी सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर के अनुसार रूसी सेना अभी तक यूक्रेनी शहरों पर 328 क्रूज मिसाइलें दाग चुकी है, जिनसे जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार रूसी हमलों में अभी तक यूक्रेन के 564 नागरिक मारे गए हैं, इनमें 41 बच्चे हैं। इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि अभी तक के युद्ध में रूस के 12 हजार से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं। इसके अतिरिक्त 353 रूसी टैंक, 1,165 अन्य सैन्य वाहन, 57 लड़ाकू विमान, 83 हेलीकाप्टर और 125 तोपें भी नष्ट कर दिए गए हैं। रूस और यूक्रेन के बीच भीषण लड़ाई जारी है। रूस ने कीव की घेराबंदी तेज कर दी है। रूस ने कीव के उत्तरी दिशा में सैन्य तैनाती बढ़ाई है। रूसी सेना के हमलों में 41 बच्चों समेत 564 यूक्रेनियन नागरिक मारे गए हैं।

यूक्रेन से पलायन कर पड़ोसी देशों में जाने वाले बच्चे, बुजुर्गों और महिलाओं की संख्या 25 लाख को पार कर गई है। इसके बावजूद युद्धग्रस्त क्षेत्रों में लाखों लोग फंसे हुए हैं। यूक्रेन का आरोप है कि रूसी सेना उनके निकलने में बाधा डाल रही है, जबकि रूस का कहना है कि यूक्रेनी सेना और लड़ाके नागरिकों को ढाल बनाए रखने के लिए उन्हें से नहीं निकलने दे रहे। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) ने कहा है कि उसका यूक्रेन के चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र से सभी तरह का संपर्क टूट चुका है। यह स्थिति संयंत्र को बाहर से विद्युत आपूर्ति भंग होने के बाद पैदा हुई है। संयंत्र का कूलिंग सिस्टम इस समय जेनरेटरों से पैदा बिजली से काम कर रहा है। दुर्घटना के शिकार हो चुके इस संयंत्र में बिजली का उत्पादन नहीं होता लेकिन रेडियोएक्टिव तत्वों की बड़ी मात्रा यहां पर मौजूद है। संयंत्र पर रूसी सेना ने कब्जा कर रखा है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में लड़ने के लिए विदेशी लड़ाकों को बुलाए जाने की अनुमति दे दी है। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने कहा है कि मध्य-पूर्व के देशों में 16 हजार लोग डोनबास इलाके में आकर लड़ने के लिए तैयार हैं। डोनबास यूक्रेन का विद्रोहियों के कब्जे वाला इलाका है जिसे रूस ने हाल ही स्वतंत्र देश की मान्यता दी है।

मेदिनीपुर में भाजपा कार्यालय में आग, भाजपा का आरोप चार राज्यों में जीत से बौखला गई ममता

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के औद्योगिक शहर मेदिनीपुर में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भीषण आग लगने से जलकर खाक हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। अग्निशमन विभाग ने बताया कि भाजपा कार्यालय में आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ी और कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि कार्यालय में आग लगने से सभी आधिकारिक दस्तावेज, टीवी, पंखा, फर्नीचर तथा कुर्सी जलकर खाक हो गई हैं।

स्थानीय सांसद एवं पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर तृणमूल कांग्रेस पर आग लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कार्यालय के पास सभी नगरपालिका और मूल्यवान दस्तावेज स्थानीय वार्ड पार्षद अनुश्री बेहरा हैं, जिन्हें दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से निर्वाचित किया गया है।

घोष ने दावा किया कि भाजपा के चार राज्यों उत्तर प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड तथा गोवा में चुनाव जीतने से राज्य सत्तारूढ़ पार्टी बौखला गई है, इसकारण उन्होंने भाजपा कार्यालय में आग लगा दी। घोष के दौरे के बाद भाजपा पार्षद ने उनसे मुलाकात कर बताया कि इस आग में स्थानीय लोगों से संबंधित प्रमुख दस्तावेज तथा पार्षद संबंधित सभी दस्तावेज जलकर खाक हो गए है। आग इतनी भयावह थी कि कार्यालय की दीवारें पूरी तरह चटक गई है। तृणमूल कांग्रेस ने हालांकि घोष के आरोप को खारिज किया है।

पाकिस्तान में मिसाइल गिरना तकनीकी तकनीकी खामी, भारत ने खेद जताया

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान में मिसाइल गिरने पर कहा की यह कि यह हादसा तकनीकी खामी के कारण हुआ है. मंत्रालय ने घटना को लेकर गहरा खेद जताया है. रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया, 9 मार्च 2022 को रूटीन मरम्मत कार्य के दौरान तकनीकी गड़बड़ीके कारण दुर्घटनावश ये मिसाइल फायर हो गई. सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है. रक्षा मंत्रालय ने कहा, ऐसा समझा जाता है कि मिसाइल पाकिस्तान के क्षेत्र में गिरी. हालांकि यह बेहद खेदजनक है, लेकिन राहत की बात है कि इसमें किसी भी प्रकार का जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है. पाकिस्तान ने इस मामले में भारत के दूतावास प्रभारी को समन किया था और 'उड़ने वाली भारतीय सुपरसोनिक वस्तु' के जरिये हवाई क्षेत्र का बिना उकसावे के उल्लंघन करने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था. साथ ही घटना की विस्तृत एवं पारदर्शी जांच की मांग की थी.

पाकिस्तान के विदेश विभाग ने कहा, भारतीय राजनयिक को 'उड़ने वाली भारतीय सुपरसोनिक वस्तु' के जरिये हवाई क्षेत्र के कथित उल्लंघन के बारे में सूचना दी गई है. यह वस्तु भारत में सूरतगढ़ से नौ मार्च को शाम छह बजकर 43 मिनट पर पाकिस्तान में घुसी थी. यह मिसाइल पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के मियां चुन्नु शहर में उसी दिन शाम 6 बजकर 50 मिनट पर जमीन पर गिरी, जिससे असैन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा.

विदेश कार्यालय ने कहा, भारतीय राजनयिक को बताया गया कि इस उड़ने वाली वस्तु को अविवेकपूर्ण तरीके से छोड़े जाने से न केवल असैन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा बल्कि इससे मानव जीवन पर भी खतरा पैदा हुआ. उसने कहा कि इससे पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में कई घरेलू/अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी खतरा पहुंचा और इसके चलते गंभीर विमान दुर्घटना हो सकती थी.पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी इस घटना पर चिंता जताई.

पांच राज्यों में हार से बिगड़ी हालत, राज्यसभा में छिन सकता है विपक्ष के नेता का दर्जा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव मिली करारी हार के बाद कांग्रेस की स्थिति और दयनीय होने वाली है। विधानसभा चुनावों में फिसड्डी साबित होने वाली कांग्रेस को अब राज्यसभा में भी तगड़ा झटका लगने वाला है। कांग्रेस के हाथ से राज्यसभा में विपक्ष की नेता का दर्जा भी जा सकता है।

इस साल राज्यसभा के लिए द्विवार्षिक चुनाव होने के बाद, कांग्रेस के सदस्यों की संख्या में ऐतिहासिक गिरावट देखने को मिल सकती है।

ऐसे में, विपक्ष के नेता की स्थिति को बनाए रखने के लिए वह जरूरी संख्या के काफी नजदीक आ जाएगी। अगर पार्टी इस साल के अंत में गुजरात चुनावों और अगले साल कर्नाटक विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में असमर्थ रही तो यह राज्यसभा के बाद के द्विवार्षिक चुनावों में विपक्ष की नेता का दर्जा खो देगी। कांग्रेस के पास राज्यसभा में 34 सदस्य हैं और इस साल कम से कम सात सीटें हारने के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना है। मानदंडों के अनुसार एक पार्टी के पास सदन की कुल सदस्यता का कम से कम 10 प्रतिशत संख्या बल होना चाहिए तभी जाकर उसे विपक्ष की नेता का दर्ज दिया जाता है। राज्यसभा के अधिकारियों ने कहा कि विपक्ष के नेता का दर्जा बनाए रखने के लिए सदन में अपने नेता के लिए एक पार्टी के पास कम से कम 25 सदस्य होने चाहिए।

मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के नेता होने के साथ ही सदन में विपक्ष के नेता हैं। कांग्रेस के पास लोकसभा में विपक्ष के नेता का दर्जा नहीं है, क्योंकि सदन में उसकी वर्तमान संख्या सदन कुल सदस्यों के 10 प्रतिशत के आंकड़ों से कम है। चुनाव आयोग ने हाल ही में राज्यसभा में 13 खाली पदों को भरने के लिए चुनाव की घोषणा की थी। इनमें पांच सीट पंजाब से और आठ सीट हिमाचल प्रदेश, असम, केरल, नागालैंड और त्रिपुरा के लिए हैं। पंजाब से अगले महीने रिटायर होने वाले सदस्यों में कांग्रेस के दो सदस्य शामिल हैं।

पंजाब विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाली आम आदमी के राज्यसभा सीटों में बढ़ोतरी होगी। आम आदमी पार्टी पंजाब विधानसभा में अपने तीन-चौथाई बहुमत के साथ, राज्यसभा में अपनी संख्या में काफी वृद्धि करेगी औ~ राज्य की सात सीटों में से कम से कम छह सीटें जीतने की स्थिति में होगी। इस साल असम, केरल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस की संख्या में कमी आएगी।

गोवा में 14 मार्च के बाद नई सरकार का गठन, बोर्ड लेगा नए मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला

पणजी (ईएमएस)। शुक्रवार को गोवा सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक हुई। गोवा की मौजूदा सरकार का कार्यकाल 14 मार्च को समाप्त होगा, इसके बाद नई सरकार के गठन की बात कही जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि नई सरकार के गठन को लेकर फैसला केंद्रीय पर्यवेक्षक द्वारा लिया जाएगा। साथ ही नई सरकार में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर फैसला केंद्रीय संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा।

वहीं, गोवा सरकार में मंत्री मौविन गोडिन्हो ने बताया कि अगले दो-तीन दिनों में नई सरकार के गठन को लेकर फैसला होने की उम्मीद है। प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस लेकर केंद्रीय संसदीय बोर्ड द्वारा फैसला लेगा। बोर्ड का एक प्रतिनिधि जल्द ही राज्य के दौरे पर आएगा। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन दिनों में पुरानी सरकार का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद नई सरकार का गठन होगा, साथ ही उन्होंने बताया कि केंद्रीय पर्यवेक्षक के गोवा दौरे को लेकर उन्हें जानकारी नहीं थी। उनके आने के बाद ही नई सरकार के गठन को लेकर काम आगे बढ़ेगा। साथ ही सबसे विचार विमर्श के बाद नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी।

यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार की गाज गिरी हैदर पर

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने यूपी में पार्टी के इलेक्ट्रानिक मीडिया और उर्दू प्रेस कोआर्डिनेटर जीशान हैदर को निष्कासित कर दिया। पार्टी नेतृत्व पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर उन्हें निकाला गया है। यूपी कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति के सदस्य श्याम किशोर शुक्ला ने कहा, जीशान हैदर को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों और पदों से छह साल के मुक्त कर दिया गया है। हैदर ने पार्टी की हार के बाद एक बयान में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के करीबियों को कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया था। कांग्रेस की यूपी की 403 सीटों से 380 सीटों पर जमानत जब्त हो गई। दो कांग्रेस नेताओं ने इस्तीफा दे दिया। पार्टी को पिछली बार 6.25 वोट और सात सीटें मिली थीं, यह आंकड़ा इस बार 2.33 फीसदी वोट और दो सीटों पर आ गया है।

कांग्रेस ने एक बयान में कहा, यह अनुशासनात्मक समिति के संज्ञान में आया है कि आपने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में बयान दिया है, जो पार्टी की छवि को खराब करने वाला है। आपका यह बयान पार्टी की अनुशासनहीनता है। वहीं हैदर ने दावा किया कि उन्होंने प्रियंका गांधी के खिलाफ कुछ नहीं कहा था, बल्कि ये कहा था कि जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी से ताल्लुक रखने वाले कुछ मुट्ठी भर लोग उन्हें भ्रमित कर रहे हैं और टिकट बेच रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर सच्चाई सामने रखना गुनाह है तो वो ये करते रहेंगे।

मोदी जी हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि एमसीडी चुनाव मत टालिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। केजरीवाल का आरोप है कि इसके बाद चुनाव आयोग ने एमसीडी के चुनाव टालने का एलान कर दिया। शायद देश के 75 सालों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ होगा कि केंद्र सरकार ने सीधे किसी राज्य के चुनाव आयोग को चुनाव टालने के लिए कहा होगा। दिल्ली में चुनाव आयोग द्वारा नगर निगम के चुनाव टालने और इसके पीछे दी गई दलीलों को लेकर मुख्यममंत्री अरविंद केजरीवाल ने नाराजगी जताई है। उन्होंने चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के आगे झुकने का भी आरोप लगा दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र पर जानबूझकर संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप भी लगाया है। केजरीवाल ने प्रेस वार्ता की शुरुआत करते हुए कहा, दिल्ली में नगर निगम के चुनाव होने थे जिसे लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने 9 मार्च को सुबह एक प्रेस इनवाइट जारी किया था शाम 5.00 बजे तक आयोग चुनाव की तारीखों का एलान करेगा। उसी शाम एक घंटे पहले शाम चार बजे केंद्र ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखी कि हम दिल्ली के तीनों निगमों को एक करना चाहते हैं, इसलिए आज चुनाव टाल दें। केजरीवाल का आरोप है कि इसके बाद चुनाव आयोग ने एमसीडी के चुनाव टालने का एलान कर दिया। शायद देश के 75 सालों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ होगा कि केंद्र सरकार ने सीधे किसी राज्य के चुनाव आयोग को चुनाव टालने के लिए कहा होगा। केजरीवाल ने पूछा कि, भाजपा शासित सरकार बीते लगभग आठ साल से केंद्र में है और अगर उन्हें तीनों निगमों को एक ही करना था तो पहले क्यों नहीं किया। चुनाव की तारीखों के एलान से ठीक पहले ऐसा क्यों किया गया? उनका कहना है कि निगमों का एकीकरण तो बहाना है, मकसद चुनाव टालने का था क्योंकि भाजपा को लगता है कि दिल्ली में आप की लहर है जिसमें भाजपा बह जाएगी और एमसीडी चुनाव हार जाएगी। सीएम केजरीवाल बोले, लोग कह रहे हैं तीनों नगर निगम को एक करने के लिए चुनाव टालने की क्या जरूरत है। अभी तीन निगम हैं तो तीनों के पार्षद और मेयर अलग-अलग बैठते हैं। अगर तीनों एक हो जाएंगे तो चुनाव के बाद एक साथ बैठेंगे और जब तक तीनों निगम एक नहीं होते तब तक पुरानी व्यवस्था के अनुसार अलग-अलग बैठते रहेंगे। इसमें चुनाव रोकने की क्या जरूरत है? लेकिन मकसद निगमों को एक करने का नहीं बल्कि चुनाव टालने का है। मुख्यमंत्री बोले ये दोनों चीजें देश के लिए अच्छी नहीं हैं। एक केंद्र का चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर चुनाव टालने के लिए कहना और दूसरा चुनाव आयोग का केंद्र के सामने झुककर चुनाव टाल देना, दोनों ही अच्छा नहीं है। सीएम बोले, मैं हाथ जोड़कर मोदी जी से अपील करता हूं, सरकारें आती-जाती रहेंगी। कल आप नहीं होंगे, मैं नहीं रहूंगा लेकिन ये देश रहेगा। हम इंपॉर्टेंट नहीं हैं, पार्टियां इंपॉर्टेंट नहीं हैं, देश है। केजरीवाल का कहना है कि अगर पार्टियों के कहने पर चुनाव आयोग चुनाव टालता है तो इससे आयोग कमजोर होता है। आयोग कमजोर होता है तो देश कमजोर होता है। हम सबको मिलकर देश की रक्षा करनी है। किसी भी हालत में हमें देश को कमजोर नहीं होने देना है, संस्थाओं को कमजोर नहीं होने देना है। वह बोले, मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है चुनाव कैंसिल मत कीजिए। यह जनतंत्र के लिए बहुत बड़ा आघात है।

भाजपा की जीत पर टिकैत ने तोड़ी चुप्पी, कहा लोकतंत्र के महापर्व में जनता का फैसला सर्वोपरि

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी शानदार जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नया इतिहास रच दिया है। भाजपा इसे सुशासन और इमानदार सरकार की जीत बता रही है। इन परिणामों को जनादेश मानकर राजनीतिक दल भी अपनी अपनी राय व्यक्त करने में जुट गए हैं। वहीं यूपी के इन चुनाव नतीजों पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की भी प्रतिक्रिया आई है।

राकेश टिकैत ने ट्वीट कर कहा, लोकतंत्र के महापर्व में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है। किसान आंदोलन ने अपना असर दिखा दिया। हम आशा करते हैं कि जो भी सरकारें बनीं हैं, वे सभी अपने-अपने राज्यों में किसानों मजदूरों के उत्थान के लिए कार्य करेंगी। सभी को जीत की बधाई।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सीटों में से भाजपा को 255 सीटें मिली हैं। वहीं उसकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंदी बनकर उभरी समाजवादी पार्टी को 111 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है।

बहुजन समाज पार्टी के हाथ बस 1 सीट लगी और कांग्रेस 2 सीटों पर विजई हुई। गौरतलब है कि किसान नेता राकेश टिकैत ने पहले चरण के मतदान के बाद कहा था कि मुजफ्फरनगर में 2013 से अब स्थिति बदल गई है और यहां शांति स्थापित हो चुकी है, इसलिए इस बार यहां चुनाव परिणाम कुछ अलग होंगे। मुजफ्फरनगर जिले में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के बाद उन्होंने 2013 में मुजफ्फरनगर जिले में भड़के सांप्रदायिक दंगों का उल्लेख करते हुए कहा था कि 2013 का परिणाम ट्रायल था।

मुजफ्फरनगर जिले में अपने मताधिकार का उपयोग करने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा था कि पिछली स्थिति बदल चुकी है और शांति ने इसकी जगह ले ली है और इस बार परिणाम पहले जैसा नहीं होगा। जब उनसे पूछा गया कि आखिर वह किस नए मैच की बात कर रहे हैं, तब उन्होंने कहा था और इसका परिणाम जल्द ही सामने आएगा। टिकैत ने कहा था चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हो रहा है और यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है तथा परिणाम सबके देखने लायक होगा।

आईओसी ने श्रीलंका में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए

कोलंबो (ईएमएस)। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) की श्रीलंका स्थित अनुषंगी ने श्रीलंकाई रुपए के बहुत अधिक अवमूल्यन के कारण पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें बढ़ा दी हैं। बढ़े हुए दाम शुक्रवार से प्रभाव में आ गए हैं। एक महीने में यह तीसरी बार है जब कंपनी ने ईंधन के दाम बढ़ाए हैं। लंका इंडियन ऑयल कंपनी (एलआईओसी) ने कहा कि डीजल की खुदरा कीमत 75 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल की 50 रुपए प्रति लीटर बढ़ाई गई है। अब यहां पेट्रोल के दाम 254 रुपए प्रति लीटर और डीजल के 214 रुपए प्रति लीटर है। एलआईओसी के प्रबंध निदेशक मनोज गुप्ता ने कहा ?कि सात दिन के भीतर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले श्रीलंकाई रुपये में 57 रुपए की गिरावट आई है। तेल और गैसोलिन उत्पादों की कीमतों पर इसका सीधा असर पड़ा है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देश रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, इसके कारण भी तेल और गैस के दाम बढ़ रहे हैं। एलआईओसी को श्रीलंका सरकार से कोई सब्सिडी नहीं मिलती है। गुप्ता ने कहा ?कि तेल की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंची कीमतों के कारण हमें अभी बहुत घाटा उठाना पड़ रहा है। ऐसे में कीमतें बढ़ाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। दाम बढ़ाने के बावजूद भारी घाटा वहन करना होगा।

कार्टून कोना

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर कैप्टन का तंज, पार्टी नेतृत्व कभी नहीं सीखेगा

चंडीगढ़ (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव में हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने ट्वीट के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि पार्टी नेतृत्व कभी नहीं सीखेगा। पंजाब लोक कांग्रेस के प्रमुख कैप्टन सिंह को पिछले साल मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में पार्टी की हार के लिए कौन जिम्मेदार है।

कैप्टन ने कहा, कांग्रेस नेतृत्व कभी नहीं सीखेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की शर्मनाक हार का जिम्मेदार कौन? मणिपुर, गोवा, उत्तराखंड के बारे में क्या? उत्तर बिल्कुल स्पष्ट है, लेकिन हमेशा की तरह मुझे लगता है कि वे इस समझने से बचने वाले हैं, कैप्टन की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के यह कहने के एक दिन बाद आई है कि पंजाब में, भले ही पार्टी ने एक विनम्र, स्वच्छ और जमीनी नेतृत्व प्रस्तुत किया, लेकिन यह कैप्टन सरकार की 4.5 साल की सत्ता-विरोधी लहर को दूर करने में विफल रहा और लोगों ने बदलाव के लिए मतदान किया। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा था कि पंजाब में कांग्रेस ने एक साधारण पृष्ठभूमि वाले चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन अमरिंदर सिंह के करीब साढ़े चार साल के शासन को लेकर जो सत्ता विरोधी लहर थी, उससे पार्टी को नुकसान हुआ।

सुरजेवाला ने कहा था, पंजाब में लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया है। हम विजेता को बधाई देते हैं।'' उन्होंने कहा, हम उत्तर प्रदेश, उत्तरराखंड, मणिपुर और गोवा में बेहतर चुनाव लड़े, लेकिन जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए। हमें सीख लेनी है और कड़ी मेहनत करनी है। हम जातिवाद और धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति से इतर जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़े, लेकिन भावनात्मक मुद्दे जनता से जुड़े मुद्दे पर हावी हो गए।'' सुरजेवाला ने कहा, ''पांच राज्यों के चुनाव परिणाम पार्टी की उम्मीदों के खिलाफ हैं। हम उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में अच्छे नतीजों की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन हम स्वीकार करते हैं कि हम लोगों का आशीर्वाद पाने में नाकाम रहे।

प्रियंका गांधी के आक्रामक प्रचार के बावजूद कांग्रेस के लचर प्रदर्शन के बाद उभरा असंतोष

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश, पंजाब समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस धराशाई हो गई। यूपी में प्रियंका गांधी के आक्रामक प्रचार अभियान के बावजूद कांग्रेस सिर्फ दो सीटों पर सिमट गई। पार्टी के लचर प्रदर्शन के बाद नेतृत्व परिवर्तन और संगठन में आमूलचूल बदलाव की मांग फिर तेज होने लगी है। खासकर जी-23 समूह के असंतुष्ट धड़े के नेता फिर सक्रिय हो गए हैं। जी-23 ने करीब दो साल पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र संगठन में बदलाव के लिए पत्र लिखा था, जिसके बाद कांग्रेस में अंदरूनी कलह सतह पर आ गई थी। इन असंतुष्ट नेताओं की बैठक वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के घर पर हुई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल और सांसद मनीष तिवारी को दिल्ली में आजाद के घर कार से जाते हुए देखा गया। कांग्रेस ने पंजाब में अपनी सरकार गंवा दी है। जबकि यूपी, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में वो कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं कर सकी। पंजाब छोड़कर चार राज्यों में बीजेपी ने सत्ता बरकरार रखी है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस बहुत जल्द जनता का भरोसा फिर से जीतेगी। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने कहा, '50 साल के मेरे राजनीतिक करियर में मैंने कई उतार और चढ़ाव देखे हैं। विधानसभा चुनावों के नतीजों को देखना दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि सिर्फ हम फासीवादी ताकतों से लड़ सकते हैं। हम जनता का भरोसा जल्द फिर से जीत लेंगे।

एक दिन पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। थरूर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के निराशाजनक नतीजों के बाद पार्टी में बदलाव के मुद्दे को अब और टाला नहीं जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सेना का चीता हेलीकॉप्टर क्रैश

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। सुरक्षा बलों के तलाशी दल हेलिकॉप्टर के चालक दल के बचाव के लिए रवाना हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यह विमान हादसा गुरेज के बर्फीले इलाके में हुआ है। इस इलाके में काफी समय से बर्फबारी हो रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह हासदा आज दोपहर करीब 12 बजे बरौम गुरेज में हुआ। हेलिकॉप्टर पर सवार पायलट और सह पायलट के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। रक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा कि इस दुर्घटना के बारे में विवरण जुटाए जा रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया।

जन हितैषी

अखिलेश पर भारी योगी

उत्तर प्रदेश की पूरी सियासी तस्वीर साफ हो चुकी है। कुछ सीटों के नुकसान के साथ भाजपा दोबारा सरकार बनाने जा रही है। उत्तर प्रदेश में करीब 37 साल बाद ऐसा हो रहा है, जब कोई सरकार फिर से पूर्ण बहुमत के साथ रिपीट हो रही है। यूपी में 2017 और 2022 में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। इससे पहले ऐसा साल 1980, 1985 में हुआ था जब कोई सरकार पूर्ण बहुमत के साथ रिपीट हुई थी। तब कांग्रेस ने साल 1980 में 309, 1985 में 269 सीटों के साथ सरकार में आई थी। उत्तर प्रदेश में छह महीने पहले एकतरफा मुकाबला था। मतलब सियासी गलियारे में यह चर्चा थी कि योगी आदित्यनाथ फिर से चुनाव जीत जाएंगे। लेकिन देखते ही देखते पूरा खेल बदल गया। चुनाव नजदीक आते ही भाजपा के खिलाफ माहौल बन बया। एक के बाद एक योगी के तीन मंत्रियों समेत 11 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। सभी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। यहीं से समाजवादी पार्टी ने अपने पक्ष में माहौल बना लिया। यहां तक कहा जाने लगा था कि इस बार भाजपा चुनाव हार सकती है। मगर अब जब परिणाम आए तो अखिलेश यादव पर योगी आदित्यनाथ भारी पड़ गए। ऐसे कई मुद्दे रहे, जो भाजपा को दोबारा सत्ता में लाने में कामयाब रहे। सस्ती बिजली, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का वादा, शिक्षामित्रों को फिर से सहायक अध्यापक बनाने और पुरानी पेंशन लागू करने जैसे बड़े चुनावी घोषणाएं भी योगी सरकार की कानून व्यवस्था के आगे फेल हो गए। योगी आदित्यनाथ लोगों को यह समझाने में कामयाब हुए कि कानून व्यवस्था बेहतर रही तो प्रदेश का विकास तेजी से होगा। यही नहीं, चुनावी दौर में सपा नेताओं के आए विवादित वीडियो भी अखिलेश के खिलाफ चले गए। अखिलेश ने जितना माहौल बनाया था, वो सब पीछे हो गए। महिलाओं ने अखिलेश के किसी भी वादे की बजाय योगी के कानून व्यवस्था पर भरोसा जताया। पिछले कुछ चुनावों में भाजपा की सबसे बड़ी ताकत महिलाएं बनकर उभरी हैं। पीएम आवास योजना से लेकर उज्जवला गैस योजना और बिजली योजना तक सब ने महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। महिलाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी योगी आदित्यनाथ का साथ दिया। चुनाव के नतीजे साफ बताते हैं कि मुस्लिम महिलाओं ने भी भाजपा सरकार को वोट दिया है। कोरोना काल में तीन साल से भाजपा की सरकार हर गरीब तक मुफ्त राशन पहुंचा रही थी। गांव-गांव में लोगों ने इसकी तारीफ की। पीएम मोदी और सीएम योगी अपनी रैलियों में भी इसका जिक्र हमेशा करते थे। इसका फायदा भी भाजपा को मिला।

पीएम किसान सम्मान योजना के तहत हर साल छोटे किसानों को छह हजार रुपए दिए जाते हैं। ये रकम सीधे किसानों के खाते में जाती है। गांव-गांव में किसान इसकी तारीफ भी करते हैं। इसके अलावा आवास योजना और शौचालय के लिए भी गरीब व मध्य वर्ग के लोगों को अच्छी खासी रकम दी जाती है। खुले मंच से लोग इसकी तारीफ करते हैं। चुनाव में भाजपा के लिए ये योजनाएं काफी मददगार साबित हुईं। करीब 70 फीसदी दलित वोटर्स बहुजन समाज पार्टी से शिफ्ट होकर भाजपा की तरफ आ चुके हैं। समाजवादी पार्टी ने काफी कोशिशें कीं, लेकिन दलित मतदाताओं का भरोसा नहीं जुटा पाई। ऐसा इसलिए क्योंकि जब सपा की सरकार थी, तब सबसे ज्यादा दलितों पर अत्याचार के मामले सामने आए थे। इसलिए बसपा के बाद दलित वोटर्स का अगर किसी पार्टी पर भरोसा बन पाया है तो वह भाजपा है।

दांडी मार्च

दांडी मार्च जिसे लबण सत्याग्रह, नमक मार्च और दांडी सत्याग्रह के रूप में भी जाना जाता है, महात्मा गांधी के नेतृत्व में औपनिवेशिक भारत में अहिंसक सविनय अवज्ञा का एक कार्य था। चौबीस दिवसीय मार्च 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक ब्रिटिश नमक एकाधिकार के खिलाफ कर प्रतिरोध और अहिंसक विरोध के प्रत्यक्ष कार्रवाई अभियान के रूप में चला। इस मार्च का एक अन्य कारण यह था कि सविनय अवज्ञा आंदोलन को एक मजबूत उद्घाटन की आवश्यकता थी जो अधिक लोगों को गांधी के उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करे। गांधी ने इस मार्च की शुरुआत अपने 78 भरोसेमंद स्वयंसेवकों के साथ की थी।मार्च 240 मील (390 किमी), साबरमती आश्रम से दांडी तक फैला, जिसे उस समय (अब गुजरात राज्य में) नवसारी कहा जाता था।डरास्ते में भारतीयों की बढ़ती संख्या उनके साथ जुड़ गई। जब गांधी ने 6 अप्रैल 1930 को सुबह 8:30 बजे ब्रिटिश राज नमक कानूनों को तोड़ा, तो इसने लाखों भारतीयों द्वारा नमक कानूनों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा के कृत्यों को जन्म दिया।

दांडी में वाष्पीकरण द्वारा नमक बनाने के बाद, गांधी तट के साथ दक्षिण की ओर बढ़ते रहे, नमक बनाते रहे और रास्ते में सभाओं को संबोधित करते रहे। कांग्रेस पार्टी ने दांडी से 130,000 फीट (40 कि?मी?) दक्षिण में धरसाना साल्ट वर्क्स में सत्याग्रह करने की योजना बनाई। हालाँकि, गांधी को धरसाना में नियोजित कार्रवाई से कुछ दिन पहले 4-5 मई 1930 की मध्यरात्रि को गिरफ्तार कर लिया गया था। दांडी मार्च और आगामी धरसाना सत्याग्रह ने व्यापक समाचार पत्रों और न्यूज़रील कवरेज के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की ओर दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। नमक कर के खिलाफ सत्याग्रह लगभग एक साल तक जारी रहा, गांधी की जेल से रिहाई और दूसरे गोलमेज सम्मेलन में वायसराय लॉर्ड इर्विन के साथ बातचीत के साथ समाप्त हुआ. हालांकि नमक सत्याग्रह के परिणामस्वरूप 60,000 से अधिक भारतीयों को जेल में डाल दिया गया अंग्रेजों ने तत्काल बड़ी रियायतें नहीं दीं।

नमक सत्याग्रह अभियान गांधी के अहिंसक विरोध के सिद्धांतों पर आधारित था, जिसे सत्याग्रह कहा जाता है, जिसका उन्होंने संक्षेप में ठसत्य-बलठ के रूप में अनुवाद किया।शाब्दिक रूप से, यह संस्कृत के शब्द सत्य, ठसत्यठ, और अग्रहा, ठआग्रहठ से बना है। 1930 की शुरुआत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटिश शासन से भारतीय संप्रभुता और स्व-शासन जीतने के लिए अपनी मुख्य रणनीति के रूप में सत्याग्रह को चुना और अभियान को व्यवस्थित करने के लिए गांधी को नियुक्त किया। गांधी ने 1882 के ब्रिटिश नमक अधिनियम को सत्याग्रह के पहले लक्ष्य के रूप में चुना। दांडी के लिए नमक मार्च, और धरसाना में सैकड़ों अहिंसक प्रदर्शनकारियों की ब्रिटिश पुलिस द्वारा पिटाई, जिसे दुनिया भर में समाचार कवरेज मिला, ने सामाजिक और राजनीतिक अन्याय से लड़ने के लिए एक तकनीक के रूप में सविनय अवज्ञा के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया।1960 के दशक में अफ्रीकी अमेरिकियों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के नागरिक अधिकारों के लिए नागरिक अधिकार आंदोलन के दौरान गांधी और मार्च टू दांडी की सत्याग्रह शिक्षाओं का अमेरिकी कार्यकर्ताओं मार्टिन लूथर किंग,जेम्स बेवेल और अन्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। यह मार्च 1920-22 के असहयोग आंदोलन के बाद से ब्रिटिश सत्ता के लिए सबसे महत्वपूर्ण संगठित चुनौती थी, और 26 जनवरी 1930 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा संप्रभुता और स्व-शासन की पूर्ण स्वराज की घोषणा का सीधे पालन किया। इसने दुनिया भर में ध्यान आकर्षित किया जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को गति दी और राष्ट्रव्यापी सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया जो 1934 तक जारी रहा।

महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू मार्च के दौरान

31 दिसंबर 1929 की आधी रात को, कांग्रेस (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) ने लाहौर में रावी के तट पर भारत का तिरंगा झंडा फहराया। गांधी और जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 26 जनवरी 1930ड को सार्वजनिक रूप से संप्रभुता और स्व-शासन, या पूर्ण स्वराज की घोषणा जारी की। (सचमुच संस्कृत में, पूर्ण, ठपूर्ण,ठ स्व, ठस्व,ठ राज, ठनियम,ठ इसलिए ठपूर्ण स्व-शासनठ) घोषणा में करों को वापस लेने की तत्परता और कथन शामिल थाः

हम मानते हैं कि किसी भी अन्य लोगों की तरह, भारतीय लोगों का यह अहरणीय अधिकार है कि वे स्वतंत्रता प्राप्त करें और अपने परिश्रम के फल का आनंद लें और जीवन की आवश्यकताएं प्राप्त करें, ताकि उन्हें विकास के पूर्ण अवसर मिल सकें। हम यह भी मानते हैं कि यदि कोई सरकार किसी व्यक्ति को इन अधिकारों से वंचित करती है और उनका दमन करती है तो लोगों को इसे बदलने या समाप्त करने का एक और अधिकार है। भारत में ब्रिटिश सरकार ने न केवल भारतीय लोगों को उनकी स्वतंत्रता से वंचित किया है, बल्कि जनता के शोषण पर आधारित है, और आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से भारत को बर्बाद कर दिया है। इसलिए, हम मानते हैं कि भारत को ब्रिटिश कनेक्शन को तोड़ देना चाहिए और 'पूर्ण स्वराज' या पूर्ण संप्रभुता और स्व-शासन प्राप्त करना चाहिए।

कांग्रेस कार्य समिति ने गांधी को सविनय अवज्ञा के पहले अधिनियम के आयोजन की जिम्मेदारी दी, साथ ही कांग्रेस स्वयं गांधी की गिरफ्तारी के बाद कार्यभार संभालने के लिए तैयार थी. गांधी की योजना ब्रिटिश नमक कर के उद्देश्य से सत्याग्रह के साथ सविनय अवज्ञा शुरू करने की थी। 1882 के नमक अधिनियम ने अंग्रेजों को नमक के संग्रह और निर्माण पर एकाधिकार दिया, इसके संचालन को सरकारी नमक डिपो तक सीमित कर दिया और नमक कर लगा दिया। नमक अधिनियम का उल्लंघन एक आपराधिक अपराध था। भले ही तट पर रहने वालों के लिए नमक स्वतंत्र रूप से उपलब्ध था (समुद्र के पानी के वाष्पीकरण द्वारा), भारतीयों को इसे औपनिवेशिक सरकार से खरीदने के लिए मजबूर किया गया था। (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

तबाह यूक्रेन और महाविनाश की नई आहट!

यूक्रेन-रूस युध्द को दूसरा सप्ताह बीतने पर है, कितने दिन और बीतेंगे कोई नहीं जानता। बेशक यूक्रेन हर रोज तबाह हो रहा है लेकिन युध्द के मैदान में डटे रहना जेलेंस्की का नेतृत्व और उससे भी बढ़कर वहाँ के नागरिकों का देशप्रेम बताता है। यह बात अलग है कि यदि यूक्रेन पराजित हुआ तो वापस खड़े होने में लंबा वक्त लगेगा और जीता तो भी यही होना है। हर हाल में युध्द की विभीषिका की सबसे बड़ी कीमत सिर्फ और सिर्फ यूक्रेन को ही चुकानी पड़ेगी।

भले ही शुरू में दुनिया को लगा हो कि युध्द कुछ घण्टों का होगा और दुनिया के नक्शे से एक लोकतांत्रिक देश सिमट जाएगा? मगर ऐसा नहीं हुआ। हर सुबह युध्द की नई विभीषिका रात की तबाही का मंजर दुनिया को दिखाती, बताती और कल के दावे का कयास लगाती। लंबा वक्त बीत रहा है, कल क्या होगा कोई नहीं जानता। महाशक्ति को चुनौती देना कोई साधारण बात नहीं। लेकिन रूस का भी इसे लेकर आंकलन गलत निकला। रूस का यूक्रेन की चुनौती का सामना कोई रणनीति तो नहीं लगती बल्कि दुनिया के सामने खुद को लजाने जैसा है। सबको पता है कि पुतिन का सपना एक बार फिर टूटे हुए सोवियत संघ को वापस बनाना है। लेकिन यूक्रेन का भी किसी देश के बुनियादी उसूलों की भाँति स्वतंत्रता, स्वायत्तता, संप्रभुता को बरकरार रखने की मंशा भी तो बुरी नहीं कही जा सकती..!

इसे कोई गलती कहे या कोई यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की अपने देशवासियों की भावनाओं का सम्मान लेकिन उन्होंने नाटो पर भरोसा करके यूक्रेन की भलाई का वो सपना देखा था जो रूस के साथ सच नहीं हो पाता। अब जेलेंस्की की ये उम्मीदें कितनी खरी और कितनी खोटी निकलीं आईने की तरह साफ है। यूक्रेन की तबाही और मानवाधिकार उलंघनों की त्रासद और पल-पल आती तस्वीरों ने दुनिया को झकझोर जरूर दिया है। न रूस मान रहा है और न ही यूक्रेन झुकता दिखता रहा है।

विडंबना देखिए वो दो देश आपस में दुश्मन हो गए जिनका रोटी-बेटी का रिश्ता है। हर तीसरा व्यक्ति एक दूसरे की भाषा बोलता, जानता तथा रिश्तेदार भी है। कभी रूस को बनाने में अहम रहा यूक्रेन आज खुद को उसी से हथियाए जाने से डरा हुआ है। सच तो यह है कि यह लड़ाई यूरोपीय लोकतांत्रिक बनाम कथित निरंकुश देश की है। अमेरिका और नाटो के तमाम प्रतिबंधों के बावजूद रूस की सेहत पर किसी भी प्रकार का कोई फर्क नहीं दिखना उसकी अड़ी बताता है। पुतिन की वैश्विक छवि के लिए यह बेहद खतरनाक हो सकता है लेकिन रूस की सेहत पर कुछ फर्क पड़ेगा लगता नहीं।

फोर्ब्स मैगजीन में दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोगों में लगातार कई बार शुमार रहे पुतिन को ऐसा क्या हो गया जो वो एक अड़ियल रुख अपना रहे हैं? 16 साल तक सोवियत संघ की गुप्तचर संस्था केजीबी में अधिकारी के रूप में सेवा दे चुके पुतिन ने 2000 और फिर 2004 का राष्ट्रपति चुनाव जीता। 2008 में प्रधानमंत्री बने फिर अपने मुताबिक संविधान संशोधन को कानून बनवाकर 6-6 वर्ष के कार्यकाल के लिए 2012 और 2018 में फिर राष्ट्रपति बने और इस तरह 2036 यानी 86 वर्ष की उम्र तक के लिए रास्ता साफ करा लिया।

वहीं जेलेंस्की जो टीवी सेलेब्रिटी स्टार रहे हैं अप्रेल 2019 में ही यूक्रेन के राष्ट्रपति बने। नाटो में शामिल होने की कवायद के चलते रूस से दूरियां बढ़ती रहीं। रूसी की लगातार धमकी, सैन्याभास से बेफिक्री और अलगाववादियों को समर्थन के चलते मौजूदा हालात सामने हैं। युध्द के दौरान भी बेहतरीन अदाकार जैसे अपने भावुक भाषणों से देश की जनता के हाथों में हथियार पकड़ा पूरी दुनिया को जेलेंस्की ने जहाँ प्रभावित किया वहीं रूस के विरुध्द जबरदस्त माहौल जरूर बना दिया। चंद घण्टों की लड़ाई का मंसूबा पाले महाशक्ति के सामने चुनौती ने वैश्विक अनिश्चितता ला खड़ी की है। निश्चित रूप से यूक्रेन की तबाही आज उस मोड़ पर आ खड़ी हुई है जहाँ मानवाधिकारों के हनन और तमाम शहरों के विध्वंश के चलते दुनिया भर में यूक्रेन के प्रति सहानुभूति उमड़ी और देखते ही देखते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र महासभा आदि की बैठक में व्यापक समर्थन मिलना एक अलग संकेत है।

सवाल बेहद बड़ा है। क्या रूस, अमेरिका और अमेरिका के इशारे पर नाटो के त्रिकोण से युध्द उस अंजाम तक जाएगा जहाँ से तीसरे विश्व युध्द की शुरुआत होगी? रुस, यूक्रेन को अमेरिका की तरफ झुकता देखना नहीं चाहता। यूक्रेन रूस की तरफ जाना नहीं चाहता ऐसे में अंकल सैम कहें या खुद को दुनिया का दारोगा मानने वाले अमेरिका और पुतिन के नेतृत्व में फिर महाशक्ति बनने का ख्वाब पाले रूस का सोवियत संघ बनाने का मंसूबा दुनिया को किस मोड़ पर ले जाएगा, इसका जवाब फिलाहाल न तो आसान दिखता और न ही सुलझता।

यूक्रेन पूर्वी यूरोप स्थित एक देश है जिसकी सीमाएँ पूर्व में रूस, उत्तर में बेलारूस, पोलैंड, स्लोवाकिया, पश्चिम में हंगरी, दक्षिण पश्चिम में रोमानिया और माल्दोवा और दक्षिण में काला सागर और अजोव सागर से मिलती हैं। यूक्रेन यूरोप का दूसरा बड़ा देश है जो आठ साल से जारी यूक्रेनी अलगाववादियों के सशस्त्र विद्रोह को झेल रहा है। ऐसे में रूस ने यूक्रेन के दो प्रदेशों लुहान्सक और दोनेत्स्क को स्वतंत्र गणराज्यों की मान्यता देकर आग में घी डालने का काम कर मौजूदा हालात बनाए हैं। इस बात से जरा भी इंकार नहीं कि विकास और अंतरिक्ष पर फतह करने की होड़ के बीच धरती पर युध्द थोड़ा बेजा लगता है लेकिन यह सच है।

पुतिन भले ही आत्मविश्वास से भरे दिखें, जेलेंस्की के भावुक भाषणों से दुनिया को मदद के लिए गुहारें लेकिन यह भी सच्चाई है कि रूस और यूक्रेन स्लाविक हैं, दोनों ही नाजियों के खिलाफ मिलकर लड़े हैं। मैदानी जंग के अलावा 21 वीं सदी की बनती इस सबसे बड़ी लड़ाई का कोई ओर-छोर दिखता नहीं है क्योंकि यूक्रेन कोई कीबिया या सीरिया नहीं है। पर्दे के पीछे सारा खेल कभी अलग सा भी दिखने लगता है कि कहीं मकसद तेल और गैस की प्राकृतिक संपदा हथियाना तो नहीं? यूक्रेन को भले ही सीधी मदद न मिले लेकिन तमाम देशों से हथियारों की खेप जिसमें टैंक, मिसाइल, ऐन्टी एयरक्राफ्ट गन और तमाम आधुनिक हथियार देकर यूक्रेन को उकसाने और डटे रहने की अमेरिकी जुगत से यह युध्द भले ही तीसरे विश्व युध्द के खतरे का आगाह कराता हो लेकिन सच तो यही है कि मानवता पर कहर बनकर टूटी यह जंग परमाणु युध्द की ओर भी बढ़ती सी दिख रही है। यूक्रेन के दो परमाणु बिजली संयत्रों पर कब्जा, तीसरा हथियाने की तैयारी, थर्मोबारिक यानी वैक्यूम बमों का इस्तेमाल तक मानवता के लिए अच्छा नहीं है। 11 वें दिन यूक्रेन का रूस पर पलटवार करना खतरनाक इशारा है।

एक आशियाना बनाने में लोगों की पूरी उम्र गुजर जाती है। यहाँ तो शहर के शहर तबाह हो रहे हैं ऊपर से यूक्रेन के नागरिकों ने कामकाज छोड़ हमलों की तैयारी पूरी कर हाथों में हथियार उठा लिए। महिलाएँ तक जंग के मैदान में डटीं हैं। युध्द का अंजाम जो भी निकले नहीं पता लेकिन मैदान से इतर भी एक लड़ाई जारी है जिससे यह युध्द कभी प्रोपोगण्डा तो कभी इन्फर्मेशन, कभी हाईब्रिड, कभी फोटो, कभी इण्टरनेट तो कभी डिजिटल वार भी लगने लगता है। ईश्वर न करे दो महाशक्तियों की जूतम पैजार के बीच फँसते दोनों ही तरफ के पड़ोसी देश भी कहीं युध्द की विभीषिका में न उलझ जाएं वरना जैसा कि लगने लगा है तीसरा विश्व युध्द तय है। अगर ऐसा हुआ तो रूस-अमेरिका में जंग कोई भी जीते हारेगी और तबाह होगी सिर्फ और सिर्फ इंसानियत। बस ऐसा न हो नहीं तो 21 वीं सदी का यह विश्व युध्द किस कगार पर ले जा सकता है कल्पना मात्र से ही सिरहन होती है क्योंकि जैसी कि धमकियाँ दोनों ही ओर से दी जा रही हैं उससे लगता है कि दुनिया ही नहीं बचेगी तो जीतेगा कौन? और जो बच भी जाएंगे उनके जख्मों, नासूर, भूख-प्यास का क्या हश्र होगा? सोचकर भी डर लगता है।

भारत की तटस्थता पर जरा भी सवाल नहीं लेकिन क्वाड बैठक के बाद बाइडन का उसके रुख को लेकर इशारा भी बुरी आहट है। तूफान में दिए की यह लड़ाई किस मोड़ पर जा रही है इसको लेकर कोई कुछ कह पाने की स्थिति में नहीं है। बात छोटे-बड़े, शक्ति-महाशक्ति की नहीं, बस किसी कदर इस युध्द को रोकने की ही है। इस जरा सी दिखने वाली बहुत भारी भूल मानवता का ही समूल विध्वंश न करे इस पर सबको तुरंत सोचना ही होगा। (लेखक-ऋतुपर्ण दवे / ईएमएस)

विपक्ष कैसे बने दमदार?

इन पांच राज्यों के चुनाव में विपक्ष को इतनी तगड़ी मार लगी है कि कुछ दिनों तक उसके होश-हवाश गुम रहें तो कोई आश्चर्य नहीं है। आज के दिन विपक्ष के पास न तो ऐसी कोई पार्टी या गठबंधन है, जो भाजपा को अखिल भारतीय स्तर पर चुनौती दे सके। विपक्ष के पास कोई ऐसा नेता भी नहीं है, जो मोदी का मुकाबला कर सके। 2024 में मोदी और भाजपा का तिबारा लौटना साफ-साफ दिखाई पड़ रहा है बशर्ते कि वह आपात्काल जैसी कोई भयंकर भूल न कर दे। वह ऐसी भूल यदि कर भी दे तो विपक्ष के पास जयप्रकाश नारायण की तरह कोई ऐसा अनासक्त शीर्ष पुरुष भी नहीं है, जो सारे विरोधी दलों को एक मंच पर ला सके। ऐसी स्थिति पर आम लोगों और खास तौर से भाजपा के करोड़ों सदस्यों की यह प्रतिक्रिया हो सकती है कि भारत की राजनीति पर मोदी और भाजपा का एकछत्र वर्चस्व देश के लिए बहुत लाभप्रद हो सकता है। कमजोर विपक्ष के फिजूल विरोध की परवाह किए बिना भाजपा अपने लोक-कल्याणकारी अभियान को काफी आगे बढ़ा सकती है। यह सोच वैसे तो ऊपरी तौर पर ठीक ही लगता है लेकिन लोकतंत्र की रेल हमेशा दो पटरियों पर चलती है। यदि एक पटरी बेहद कमजोर हो जाए या न हो तो रेल के उलटने का डर बना रहता है, जैसा कि 1975 हो गया था। यदि किसान आंदोलन की तरह कोई बड़ा जन-आंदोलन खड़ा हो गया तो वही नौबत अब भी आ सकती है। भाजपा की रेल पटरी पर चलती रहे और हमारा लोकतंत्र भी लकवाग्रस्त न हो जाए, इसके लिए जरुरी है कि अब देश में सशक्त विपक्ष का निर्माण हो। इस संभावना को क्रियान्वित करने के लिए अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी को पहल करनी होगी। यदि ये तीनों जुड़ सकें तो महाराष्ट्र, पंजाब, झारखंड, बिहार, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, कश्मीर आदि की प्रांतीय पार्टियों के नेता भी इनसे जुड़ सकते हैं। समस्त गैर-भाजपा पार्टियों के वोट मिलकर आज भी देश में भाजपा से कई गुना ज्यादा हैं। 2019 के चुनाव में 91 करोड़ मतदाताओं में से भाजपा को लगभग सिर्फ 23 करोड़ वोट मिले थे। शेष 68 करोड़ मतदाताओं को अपनी तरफ खींचने की क्षमता इस समय देश के किसी नेता या पार्टी में नहीं है। यदि वे कोई महागठबंधन बना लें तो उसका भी सफल होना संभव नहीं है, क्योंकि इस गठबंधन के पास चुनाव लड़ने के लिए कोई जबर्दस्त मुद्दा नहीं है। हां, यदि सारे विपक्षी दल मिल जाएं तो शायद कांग्रेस की शेखी थोड़ी घट जाए और वह भी शायद बड़े गठबंधन में शामिल हो जाए। लेकिन जब तक इस विपक्षी गठबंधन के पास भारत को महासंपन्न और महाशक्ति बनाने का ठोस वैकल्पिक नक्शा नहीं होगा, भारत की जनता इन कुसीप्रेमी विपक्षियों से अनुप्रेरित बिल्कुल नहीं होगी। परिवारवाद, जातिवाद और सांप्रदायिकता ने इन विरोधी दलों को अकर्मण्य और दिशाहीन बना दिया है। विरोधी दलों की अशक्तता और सभी दलों में घटता हुआ आंतरिक लोकतंत्र पूरे भारत की चिंता का विषय है। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

आज का इतिहास 12 मार्च

1612 बंगाल के अंतिम अफगान शासक के पुत्र उस्मान खान लोहानी की मौत लड़ाई में घायल होने के कारण हुई.
1868 ब्रिटेन ने बसुतोलैंड पर कब्जा किया.
1872 लार्ड मेयो के हत्यारे शेर अली को फांसी दी गयी.
1923 कमाल अतातुर्क तुर्की के पहले राष्ट्रपति बने.
1925 आधुनिक चीन के जनक सन यात सेन का निधन.
1930 गांधीजी ने डांडी यात्रा शुरू की.
1954 साहित्य अकादमी का उद्घाटन हुआ.
1967 श्रीमती इंदिरा गांधी दूसरी बार प्रधानमंत्री बनी.
1968 मॉरीशस स्वतंत्र हुआ.
1973 सीरिया में नया संविधान स्वीकार किया गया.
1989 नरौरा परमाणु बिजलीघर द्वारा उत्पादन आरंभ.
1992 मुंबई में तेरह बम विस्फोटों में सौ से अधिक लोग मारे गए.
1992 मॉरीशस गणराज्य बना.
1993 कैनबेरा आस्ट्रेलिया की राजधानी बना.
1994 चर्च ऑफ इंग्लैंड ने 460 वर्ष पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए एक महिला को ब्रिस्टल चर्च में पादरी बनाया गया.
2003 सर्बिया के प्रधानमंत्री जोरान जिंदजिक की बेलग्रेड में गोली मारकर हत्या.
2005 झारखंड में अर्जुन मुंडा ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली.

दैनिक पंचांग

12 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2022 वर्ष का 71 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 08.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 17.32 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 03.54 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 08.08 बजे तदनन्तर तैतिल 21.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871185
जूलियन दिन 2459650.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 08
विशेष रोहिणी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.24 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	07.54 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.34 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.33 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	13.46 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.02 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.14 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.25 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.39 ब.से
राहुकाल		धनु	00.55 बजे से
9.00 से 10.30		मकर	03.01 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.47 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7223

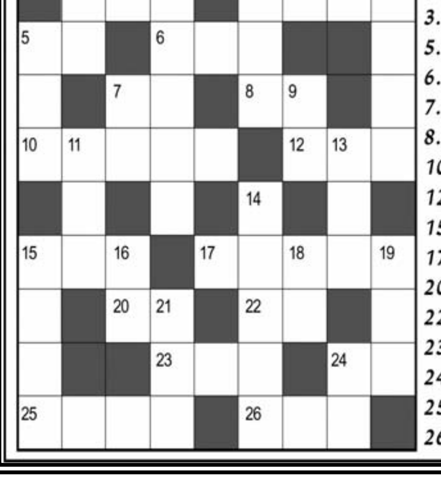

बाएँ से दाएँ
1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब (अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे
1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम-2

शब्द पहेली -7222 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अदिति संयुक्त 42वें स्थान पर पहुंची

चोनबरी (ईएमएस)। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक होंडा एलपीजीए थाईलैंड ओपन के पहले दौर के बाद संयुक्त 42वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। अदिति ने यहां दो अंडर 70 का स्कोर बनाया। इस भारतीय महिला गोल्फर ने दूसरे होल में बोगी की और वह आठवें होल में बर्डी बनाने में सफल रहीं। इसके बाद इस गोल्फर ने 15वें और 18वें होल में भी बर्डी बनाई। वहीं जापान की नासा हतोका, जर्मनी की एस्तेर हेन्सेलिट और ऑस्ट्रेलिया की सु ओह ने नौ अंडर 63 की शानदार बढ़त हासिल की है। इसके अलावा चीन की लिन जियू 64 के स्कोर के साथ ही चौथे स्थान पर बनी हुई है। कुल 6 खिलाडियों ने समान 65 का स्कोर बनाया।

खेल - समाचार

महिला विश्वकप : लॉरा और सुने के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने पाक को हराया

माउंट मौंगानुई (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में पाकिस्तान को एक करीबी मुकाबले में छह रनों से हरा दिया। यह विश्व कप में दक्षिण अफ्रीकी टीम की लगातार दूसरी जीत है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लॉरा वुलफार्ट ने 75 जबकि कप्तान सुने लूस ने 62 रन बनाये। इसके अलावा गेंदबाज शबनम इस्माइल ने 41 रन देकर तीन विकेट लिए। इस मुकाबले में हार से पाक टीम अंक तालिका में सबसे नीचे आ गयी है। उसे पहले मुकाबले में भारत जबकि दूसरे में ऑस्ट्रेलिया ने हराया था।

दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 223 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 49.5 ओवर में 217 रन ही बना पायी। ओमाइमा सोहैल ओर निदा डार ने अर्धशतक लगाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस्माइल ने तीन जबकि मरीजान काप और अयाबोंगा खाका ने दो-दो विकेट लिए। रोमांचक मुकाबले के दौरान पाक को अंतिम चार गेंदों पर जीत के लिए आठ रनों की जरुरत थी और उसका एक विकेट शेष था पर गुलाम फातिमा पांचवीं गेंद पर रन आउट हो गईं। पाक की ओर से ओमाइमा ने सबसे ज्यादा 65 रन जबकि निदा ने 55 रन बनाए। बाकि बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पायी जिस कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। निदा आठवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुई तब टीम का स्कोर 213 था। इसके बाद पूरी पारी 217 रन पर ही सिमट गई। इस्माइल ने अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर डायना बेग को 13 रन पर आउट कर पाक टीम की पारी को समेट दिया।

भारतीय टीम क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी

दोपहर दो बजे से होगा मुकाबला

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय टीम शनिवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा दिन-रात्रि के इस मैच को जीतकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करना चाहेंगे। भारतीय टीम ने मोहाली में हुए पहले टेस्ट को एक पारी और 222 रनों से जीता था। इससे टीम के हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाज ओर गेंदबाज लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा इस मैच में भी अपने बेहतरीन प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे। पहले मैच में जडेजा ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी इस मैच में अपने शतक का सूखा समाप्त करना चाहेंगे। विराट ने पिछले 28 महीने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है। अब प्रशंसकों को इस मैच में विराट के 71 वें शतक का इंतजार रहेगा।

कोहली ने अंतिम बार दो साल पहले बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में 2019 में गुलाबी गेंद से टेस्ट में ही शतक जमाया था। उन्होंने उस पारी में 136 रन बनाए थे। उसके बाद से ही विराट शतक नहीं लगा पाये हैं। विराट ने छह बार अर्धशतक लगाये हैं पर उसे वह शतक में तब्दील नहीं कर पाये हैं। गुलाबी गेंद का टेस्ट होने पर इस बार अंतिम एकादश में भारतीय टीम तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी शामिल कर सकती है। इसके अलावा ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भी जयंत यादव की जगह शामिल किया जा सकता है। जयंत पहले टेस्ट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

अक्षर ने आखिरी बार गुलाबी गेंद टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में 11 विकेट लिए थे। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने गेंदबाजी की शुरूआत भी की थी। वैसे पिच पर घास होने पर सिराज बेहतर विकल्प होंगे। भारतीय टीम शायद ही इस मैच में अधिक बदलाव करे पर बल्लेबाज हनुमा विहारी को एक बार फिर तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है।

वहीं दूसरी ओर श्रीलंका की टीम पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी में बेहद कमजोर साबित हुई ऐसे में उसपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। उसके बल्लेबाजों को इस मैच में भारतीय टीम को टक्कर देने बड़ी पारियां खेलने होंगी। इसके अलावा टीम के गेंदबाजों को भी निरंतर अंतराल में विकेट लेकर भारतीय टीम पर दबाव बनाना पड़ेगा।

पहले टेस्ट में श्रीलंकाई टीम हर क्षेत्र में भारतीय टीम से कहीं पीछे रही। उसे तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा के बिना ही उतरना होगा। लाहिरू हैमस्ट्रिंग चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में दुष्मंता चामीरा अंतिम एकादश में उनकी जगह शामिल किये जा सकते हैं। इसके अलावा कप्तान दिमुथ करूणारत्ने को इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर टीम को प्रेरित करना होगा। इसके अलावा टीम को अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गेंदबाजों को भी विकेट लेने के पूरे प्रयास करने होंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हनुमा विहारी, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, जयंत यादव, श्रेयस अय्यर, कोना भारत (विकेटकीपर), उमेश यादव, सौरभ कुमार, प्रियांक पांचाल।

श्रीलंका : दिमुथ करुणारत्ने (कप्तान), धनंजय डिसिल्वा, चरित असलंका, दुशमंथा चमीरा, दिनेश चांदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, निरोशन डिकवेला, लसिथ एम्बुलडेनिया, विश्व फर्नांडो, सुरंगा लखमल, लाहिरू थिरिमाने, लाहिरु कुमारा, कुसाल मेंडिस, पाथुम निसांका, जेफ्री वंडारसे, प्रवीण जयविक्रमा, चमिका करुणारत्ने।

इंडियन वेल्स के दूसरे दौर में पहुंची ओसाका और यूलिया

इंडियन वेल्स (ईएमएस)। जापान की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका बीएनपी परीबस ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। ओसाका ने पहले ही दौर में अमेरिका की स्लोएने स्टीफेंस को 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। ओसाका ने तीसरे सेट में 2-0 से पिछड़ने के बाद तीन ब्रेक अंक लेकर अच्छी वापसी करते हुए दो घंटे के अंदर ही मैच जीत लिया। इस सेट में उन्होंने तीन बार स्टीफेंस की सर्विस को तोड़ा। ओसाका साल 2019 के बाद से ही पहली बार यहां परीबस ओपन में खेल रही है। जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अंतिम 32 में हारने के बाद से ही इस खिलाड़ी ने एक भी टूर्नामेंट नहीं खेला है। ओसाका मानसिक स्वास्थ्य कारणों से पिछले साल फ्रेंच ओपन से बाहर थीं। ओसाका के अलावा पहले दौर में कजाखस्तान की यूलिया पुतिनत्सेवा, डारिया सेविले और टेरेजा मार्तिनकोवा भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। वहीं पुरूष वर्ग में अमरीका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड, जेंसन ब्रूक्सबी, जैक सोक और जे जे वोल्फ भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गए हैं।

आईसीसी ने रावलपिंडी पिच को औसत से निचले दर्जे का बताया

रावलपिंडी (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी रावलपिंडी स्टेडियम की पिच की आलोचना करते हुए उसे औसत से निचले स्तर का बताते हुए एक नकारात्मक अंक दिया है। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच हुआ पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। पांच दिनों में केवल 14 विकेट ही गिरे थे और दौनो ही टीमों ने बड़े स्कोर बनाये थे। दिग्गज क्रिकेटरों की आलोचना के बाद पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी माना था कि ऐसी पिच से टेस्ट क्रिकेट को नुकसान ही होता है। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रंजन मदुगले ने इस पिच को औसम से भी खराब बताया और इस पिच को आईसीसी की पिच एवं आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत एक 'नकारात्मक' अंक दिया गया है।

मदुगले ने आईसीसी के बयान में कहा, 'पिच का व्यवहार पांच दिन के अंदर नहीं बदला। इसमें उछाल थोड़ा कम होने के अलावा अन्य कोई भी बदलाव नहीं आया। इस पिच में तेज गेंदबाजों के लिए बहुत अधिक गति और उछाल नहीं था और न ही मैच के आगे बढ़ने पर स्पिनरों को सहायता मिली।' उन्होंने कहा, 'मेरे विचार में ऐसे में बल्ले और गेंद के बीच समान प्रतिस्पर्धा संभव नहीं थी। इसलिए आईसीसी के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए मैं इस पिच को औसत से खराब करार दे रहा हूं।'

भारत-श्रीलंका मैच में 100 फीसदी दर्शकों को मिलेगा प्रवेश

बेंगलुरु (ईएमएस)। यहां शनिवार से भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 100 फीसदी दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी दी गयी है। कोविड-19 का खतरा कम होने बाद यह पहली बार है जब दिन-रात्रि के इस टेस्ट में पूरी क्षमता से स्टेडियम भरा रहेगा। कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) ने राज्य सरकार से मंजूरी मिलने के बाद सौ फीसदी दर्शकों को प्रवेश देना तय किया है। केएससीए के कोषाध्यक्ष विनय मृत्युंजय के अनुसार पहले दो दिनों के लिए जनता के लिए उपलब्ध 10 हजार टिकट पहले ही बिक गये हैं। दर्शकों के लिए पूरे स्टेडियम को खोलने के फैसले के बाद केएससीए ने बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त टिकटों की ब्रिकी शुरू की है। एसोसिएशन ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'दर्शकों की मौजूदगी पर लगे प्रतिबंधों के हटने और बढ़ती टिकट मांग को ध्यान में रखते हुए केएससीए स्टेडियम की पूरी क्षमता के लिए टिकटों की बिक्री शुरू कर देगा।'

जून 2018 के बाद बेंगलुरु पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। जनवरी 2020 में अंतिम बार इस मैदान पर अंतरष्ट्रीय मैच का आयोजन हुआ था जब ऑस्ट्रेलिया ने एक छोटी एकदिवसीय सीरीज़ के लिए भारत का दौरा किया था। कुल मिलाकर यह घर पर भारत का तीसरा गुलाबी गेंद का टेस्ट मैच होगा। नवंबर 2019 में भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में और फरवरी 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेला है।

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

SPORTS AUTHORITY OF GUJARAT

आज़ादी का अमृत महोत्सव

11वाँ
खेल महाकुंभ

खेलेगा गुजरात   जीतेगा गुजरात

खेल-कूद के क्षेत्र में गुजरात को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाने वाले
हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों से

- **खेल महाकुंभ के 11वें संस्करण का भव्य शुभारंभ**
- **गुजरात की नई स्पोर्ट्स नीति 2022 की घोषणा**

खेलेगा गुजरात   **जीतेगा गुजरात**

तारीख- 12-03-2022 | समय- शाम 6:00 बजे | स्थान- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद

स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ गुजरात, खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग, गांधीनगर, गुजरात सरकार

पीएम मोदी का प्रत्येक गांव में 75 पेड़ लगाने, 75 कृषि तालाब बनाने का आह्वान

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 75 साल पूर्ण होने के वर्ष में प्रत्येक गांव में 75 पेड़ लगाने, 75 कृषि तालाब बनाने और 75 किसानों को प्राकृतिक तरीके से कृषि करने का आह्वान किया। अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में गुजरात पंचायत महासम्मेलन को पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात बापू और सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमि है। ''बापू हमेशा ग्रामीण विकास और आत्म-निर्भर गांवों की बात करते थे। आज जब हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं, हमें बापू के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा करना चाहिए।' पीएम मोदी ने महामारी के दौरान अनुशासित और बेहतर प्रबंधन के लिए गुजरात की पंचायतों और गांवों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में महिला पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या पुरुष प्रतिनिधियों की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि डेढ़ लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों के एक साथ विचार-विमर्श करने की इस सच्चाई से ज्यादा भारतीय लोकतंत्र की ताकत का प्रतीक कुछ भी नहीं हो सकता है। पीएम मोदी ने पंचायत सदस्यों को सलाह दी कि कैसे छोटी लेकिन बहुत ही बुनियादी पहल के साथ गांव का विकास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अपने स्कूल का जन्मदिन या स्थापना दिवस मनाने की सलाह दी। इसके माध्यम से उन्होंने स्कूल के परिसर और कक्षाओं को साफ करने और स्कूल के लिए अच्छी गतिविधियों को शुरू करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि देश अगस्त' 23 तक आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने इस अवधि के दौरान गांव में 75 प्रभात फेरी (सुबह का जुलूस) निकालने का सुझाव दिया।

उन्होंने इस दौरान 75 कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी, जिसमें पूरे गांव की जनता को एक साथ बैठे और मिलकर गांव के समग्र विकास के बारे में सोचे। एक और सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में गांवों में 75 पेड़ लगाकर एक छोटा जंगल बनाना चाहिए। प्रत्येक गांव में कम से कम 75 किसान ऐसे होने चाहिए जो प्राकृतिक तरीके से खेती करें। उन्होंने कहा कि धरती माता को खाद और रसायनों के जहर से मुक्ति दिलानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए 75 कृषि तालाब बनाए जाने चाहिए ताकि भूमिगत जल स्तर बढ़े और गर्मी के दिनों में लोगों को इससे मदद मिले। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की भी सलाह दी कि एक भी मवेशी को बिना टीकाकरण के नहीं छोड़ा जाए ताकि उन्हें संक्रामक बीमारी फुट एंड माउथ डिजीज (एफएमडी) से बचाया जा सके। पीएम मोदी ने बिजली बचाने के लिए पंचायत सदस्यों से पंचायत घरों और गलियों में भी एलईडी बल्ब लगाने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को गांव में जाना चाहिए और गांव का जन्मदिन मनाया जाना चाहिए जिसमें गांव के सभी लोग इकट्ठा हों और लोगों के भले के बारे में चर्चा करें। उन्होंने पंचायत सदस्यों को सलाह दी कि एक सदस्य दिन में 15 मिनट के लिए कम से कम एक बार स्थानीय स्कूल में जरूर जाए ताकि गांव के स्कूल पर कड़ी नजर रखी जा सके और शिक्षा और साफ-सफाई का स्तर अच्छा बना रहे। उन्होंने पंचायत सदस्यों से आम सेवा केंद्रों (सीएससी) का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने की अपील की, जो वास्तव में सरकार के लिए एक राजमार्ग की तरह हैं। इससे लोगों को रेलवे बुकिंग आदि के लिए बड़े शहरों में जाने के झंझट से बचने में मदद मिलेगी। अंत में प्रधानमंत्री ने पंचायत सदस्यों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि कोई भी बच्चा पूरी स्कूली शिक्षा तक बीच में स्कूल न छोड़े और कोई भी बच्चा पात्रता के अनुसार स्कूल या आंगनवाड़ी में प्रवेश लेने से न छुटे। प्रधानमंत्री ने उपस्थित पंचायत सदस्यों से ऐसा करने का वादा लिया और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उपस्थित पंचायत सदस्यों ने अपनी सहमति दी।

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद और दानापुर के बीच होली स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी होली त्यौहार के मद्देनजर, यात्रियों की मांग व सुविधा को ध्यान में रखते अहमबाद और दानापुर के बीच होली स्पेशल ट्रेन की दो ट्रिप विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09417/09418 अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद स्पेशल (दो ट्रिप)

ट्रेन संख्या 09417 अहमदाबाद-दानापुर स्पेशल 14 मार्च 2022 को अहमदाबाद से प्रातः 09:10 बजे रवाना होकर अगले दिन रात्रि 21:30 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09418 दानापुर-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन दिनांक 15 मार्च 2022 को दानापुर से रात्री 23:45 बजे रवाना होकर तीसरे दिन 11:20 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन नडियाद, छायापुरी, रतलाम, कोटा , सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, बयाना, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फरुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर, वाराणसी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर तथा आरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे

ट्रेन संख्या 09417 की बुकिंग 13 मार्च, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू है।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

सुरक्षा कारणों की वजह से मेयर किरीट परमार को कमलम में नहीं मिली एंट्री

किरीट परमार पीएम मोदी के रोड शो में काफिले में पीछे रह गए । इसी बीच पीएम कमलम में दाखिल हो गए थे ।

अहमदाबाद, ११ मार्च ।

पीएम मोदी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं. उनका भव्य भगवा रोड शो सुबह से ही चर्चा में है. इसी बीच एक ऐसी घटना हुई जिसने चर्चा को और बढ़ा दिया है ।

भाजपा दफ्तर कमालम में होने वाली बैठक में शिरकत करने अहमदाबाद के मेयर किरीट परमार गए थे । लेकिन उनके साथ अजीबोगरीब घाट बन गई, पीएम के रोड शो के चलते महापौर सड़क पर फंस गए थे । जिसकी वजह से वह समय पर कमलम नहीं पहुंच पाए, जिसकी वजह से उनको कमलम में एंट्री नहीं दी गई ।

हुआ यूं कि अहमदाबाद के मेयर किरीट परमार पीएम मोदी के रोड शो में काफिले में पीछे रह गए ।

इसी बीच पीएम मोदी कमलम में दाखिल हो गए थे । जिसके बाद कमालम का गेट बंद कर दिया गया था । इसी दौरान परमार कमलम पहुंचे और दफ्तर में घुसने की कोशिश की लेकिन उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने गेट पर ही रोक लिया । इस दौरान वह लगातार कमलम में मौजूद कई आला नेताओं को संपर्क करने की कोशिश करते रहे लेकिन कोई जवाब नहीं मिली, जिसकी वजह से उनको करीब आधा घंटा धूप में बाहर ही खड़े रहना पड़ा ।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया । राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल, अहमदाबाद के मेयर किरीट परमार और मंत्री जगदीश पांचाल मौजूद थे । अहमदाबाद के मेयर पीएम मोदी का काफिला एयरपोर्ट से कमालम के लिए रवाना हुआ. लेकिन इस बीच वे भीड़ में पीछे रह गए. लेकिन जब वह कमलम पहुंचे तब उनके साथ यह हादसा हो गया ।

जामनगर में बनेगा विश्व का पहला डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गुजरात को एक और विशिष्ट भेंट, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आभार जताया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीसीटीएम) की स्थापना के लिए दी गई मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त किया है। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत जामनगर में इस डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना की जाएगी, जो पूरी दुनिया में पारंपरिक चिकित्सा के लिए प्रथम और एकमात्र ग्लोबल सेंटर बनेगा। जामनगर में स्थापित होने वाला यह सेंटर समग्र विश्व में आयुष प्रणालियों को स्थान देने के लिए पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित वैश्विक स्वास्थ्य मामलों पर नेतृत्व प्रदान करेगा। इसके साथ ही यह परंपरागत चिकित्सा की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता, पहुंच और तर्कसंगत उपयोग को सुनिश्चित करने में उपयोगी सिद्ध होगा। इतना ही नहीं, डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित सभी वैश्विक स्वास्थ्य मामलों पर नेतृत्व प्रदान करेगा तथा पारंपरिक चिकित्सा अनुसंधान, प्रथाओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न नीतियों के निर्माण में सदस्य देशों को समर्थन देगा। प्रधानमंत्री ने इससे पूर्व 13 नवंबर, 2020 को जामनगर स्थित 'इंस्टीटयूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद' (आईटीआरए) को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देते हुए गुजरात को स्वास्थ्य क्षेत्र में विशेष भेंट दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम की एक और विशिष्ट भेंट के जरिए प्रधानमंत्री ने जन स्वास्थ्य कल्याण के क्षेत्र में गुजरात की अगुवाई की नई दिशा खोल दी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री का गुजरात के राज्यपाल ने राजभवन में किया स्वागत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आज केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का राजभवन में स्वागत किया अमित शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राजभवन में होनेवाली सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक में भाग लेने गांधीनगर के राजभवन पहुंचे हैं इससे पहले आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अहमदाबाद पहुंचे, जहां से गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय तक रोड किया भाजपा मुख्यालय में पार्टी के सांसद और विधायकों समेत पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद पीएम मोदी ने अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित पंचायत महासम्मेलन को संबोधित किया पंचायत महासम्मेलन पूर्ण होने के बाद पीएम मोदी गांधीनगर के राजभवन पहुंच गए हैं, जहां सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक शुरू हो चुकी हैं शनिवार को पीएम मोदी रक्षा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे और इस मौके पर अमित शाह भी मौजूद रहेंगे इसके अलावा अमित शाह अहमदाबाद के कोचरब आश्रम का भी दौरा करेंगे और साइकिल रैली का प्रस्थान कराएंगे और शाम को दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे गौरतलब है पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद तीन दिग्गज नेताओं का गुजरात में आगमन हुआ हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा सरसंघ चालक डॉ. मोहन भागवत भी गुजरात में हैं पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह दो दिवसीय दौरे पर गुजरात आए हैं, वहीं डॉ. मोहन भागवत अहमदाबाद के पिराणा में आज से शुरू हुई तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में भाग लेने आए हैं

एक ही दिन गुजरात पहुंचे पीएम मोदी और संघ प्रमुख, गुजरात जीतने की तैयारी में जुटे

अहमदाबाद (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड और गोवा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के एक बाद पार्टी का ध्यान गुजरात का किला बचाने पर केंद्रित हो गया है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में रोड शो कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया, वहीं दूसरी ओर संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शुक्रवार को ही गुजरात पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और संघ प्रमुख, यह दोनों नेता गुजरात में दो दिन रहने वाले हैं, ऐसा माना जा रहा है कि गुजरात को लेकर पूरा संघ परिवार तैयारियों में कहीं कोई कमी नहीं रखना चाहता। जहां तक प्रधानमंत्री की बात है,तब वह आज फूल मालाओं से सजी गाड़ी में सवार मोदी भगवा रंग की टोपी पहने नजर आए। मोदी ने रोड शो के दौरान सड़क के दोनों ओर जमा सैंकड़ों समर्थकों तथा प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हवाई अड्डे से शुरू हुआ रोड शो करीब 10 किलोमीटर दूर गांधीनगर में भाजपा के राज्य मुख्यालय 'कमलम' पर समाप्त हुआ। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष सी.आर. पाटिल भी मोदी के साथ मौजूद थे।

मोदी ने रोड शॉ के दौरान हाथ से ''वी फॉर विक्टरी (जीत)'' का चिन्ह बनाया जिसे देखकर उत्साहित समर्थकों ने उनके समर्थन में नारेबाजी की। भाजपा के कई कार्यकर्ता भी रोड शो में शामिल हुए। वहीं, रास्ते में कई स्थानों पर सड़क किनारे लगे मंचों पर कलाकारों ने शास्त्रीय एवं पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी। रास्ते में मोदी के पोस्टर भी लगे नजर आएं। कई पोस्टर पर रोड शो का मार्ग भी चिह्नित था। इनमें से एक पर यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को देश वापस लाने के लिए चलाए 'ऑपरेशन गंगा' के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी गई थी। रोड शो के दौरान लोग प्रधानमंत्री के वाहन के करीब आते ही ''मोदी मोदी'' के नारे लगाने लगते थे।

इस रोड शो को गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रचार की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है, जो इस साल दिसंबर में होने हैं। भाजपा के एक कार्यकर्ता ने कहा, ''गुजरात में केवल भाजपा जीतेगी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के यहां आने की कोई गुंजाइश नहीं है, यह मोदी का गृह राज्य है। यूक्रेन से भारतीय छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए भाजपा की एक महिला कार्यकर्ता ने मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''भारत का एक सपूत (मोदी) देश के हजारों बेटे-बेटियों को युद्धग्रस्त क्षेत्र से सुरक्षित वापस ले आया। वह गुजरात आए हैं, हम उनका स्वागत करके खुश हैं।'' यूक्रेन से लौटे कुछ छात्र भी भीड़ का हिस्सा थे और उन्होंने छात्रों को वापस लाने के प्रयासों के लिए मोदी और केन्द्र सरकार की सराहना की। लोगों को रोड शो दिखाने के लिए रास्ते में कई 'स्क्रीन' भी लगाई गईं थीं। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा, 'हम आश्वस्त हैं, कि गुजरात में दिसंबर में होने वाले चुनाव में भाजपा की जीत होगी। पार्टी पदाधिकारी ने बताया कि गांधीनगर में भाजपा के राज्य मुख्यालय 'कमलम' पहुंचने के बाद मोदी ने गुजरात विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भाजपा की राज्य इकाई के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को कुछ टिप्स भी दिये।

बता दें कि इस समय आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक गुजरात में अहमदाबाद के निकट चल रही है, जिसमें संगठन के विस्तार की रूखरेखा पर विचार किया जा रहा है। यह बैठक भी शुक्रवार से ही शुरू हुई है। अहमदाबाद के पिराना गांव में शुरू हुई बैठक में देशभर से संघ के करीब 1200 पदाधिकारी एवं प्रचारक शामिल हो रहे हैं जिसमें सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले शामिल हैं। ऐसा समझा जाता है कि आरएसएस के वर्ष 2025 में शताब्दी वर्ष पूरा होने से पहले संगठन के विचार का खाका इस बैठक में तैयार होगा। बैठक के पहले दिन सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने कहा कि इस बैठक के मुख्य विषयों में से एक विषय संगठन विस्तार है। मनमोहन वैद्य ने कहा कि तीन दिनों की इस बैठक के दौरान आरएसएस के विस्तार को लेकर एक विस्तृत योजना का खाका तैयार किया जायेगा।

डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 5 के सेट पर रेमो डिसूज़ा ने कहा, "मेरा हमेशा से ये सपना रहा है कि मेरी ज़िंदगी में एक बेटी हो"

पिछले तीन दशकों से ज़ी टीवी भारतीय युवाओं को अपना सिंगिंग, डांसिंग और एक्टिंग टैलेंट दिखाने के लिए एक ग्लोबल मंच उपलब्ध करा रहा है। इस चैनल के सबसे प्रतिष्ठित डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस ने जब साल 2009 में अपनी षुरुआत की थी, तो इसने न सिर्फ देष में डांस के माहौल में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया, बल्कि कुछ बेहद प्रतिभाशाली डांसर्स और ऐसे डांसिंग स्टाइल्स पेश किए, जो पहले कभी नहीं देखे गए थे। हालांकि बीते 13 वर्षों में इस षो ने डांस के प्रति इंडिया की सच्ची लगन भी दिखाई। दर्शकों को कुछ आकर्षक प्रोमोज़ के जरिए इस साल के जबर्दस्त टैलेंट की झलक दिखाने के बाद ज़ी टीवी देष के सबसे यंग डांसिंग टैलेंट के लिए अपने बेहद पॉपुलर रियलिटी षो डीआईडी लिटिल मास्टर्स के एक और सीज़न की षुरुआत करने के लिए तैयार है।

तो देखने के लिए तैयार हो जाइए इंडिया के डांस के बाप डीआईडी लिटिल मास्टर्स, शुरू हो रहा है 12 मार्च से और इसका प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर किया जाएगा!

લોકલાડીલા યશસ્વી વડાપ્રધાન

શ્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદીને

આવકારવા પધારેલા લાખો લોકોની જનમેદની ગુજરાતનો અતૂટ પ્રેમ અને આશીર્વાદ દર્શાવે છે, ભવ્યાતિભવ્ય

રોડ-શોને સફળ બનાવવા માટે જનતા જનાર્દનનો

ખૂબ ખૂબ આભાર

સૌનો સાથ । સૌનો વિકાસ । સૌનો વિશ્વાસ । સૌનો પ્રયાસ

ભારતીય જનતા પાર્ટી, ગુજરાત પ્રદેશ

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95